



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 1994 (माघ 2, 1915)
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1994 (MAGHA 2, 1915)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायी व्यवस्थापन द्वारा जारी की गई विचार नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित हान हैं)
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायी व्यवस्थापन द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च स्थायी व्यवस्थापन, नियंत्रक और महालेखा-परियोजना, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार में संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और पेटेंटों में संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
खण्ड II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—पुकर आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अवकाश द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II—खण्ड 1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक विधायक द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश रिजारा और नोटिस शामिल हैं
भाग II—खण्ड 2—विशेषक तथा विशेषकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	भाग IV—नैर-परवर्तनीय स्थायी प्रारंभ और नैर-परवर्तनीय निकाशों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में अमल और मृत्यु के आकड़ों को दर्शाने वाला अनुपूरक
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	

* धीरे-धीरे प्राप्त नहीं हुई

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	29	PART II —SECTION 3—Sub-Sec. (iii) Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I —SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	61	PART II —SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I —SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	5	PART III —SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	77
PART I —SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	125	PART III —SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	71
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III —SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III —SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	749
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV —Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	11
PART II—SECTION 3—Sub-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V —Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc, both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—Sub-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1994

सं० 2-प्रेज/94-शुद्धिपत्र-विशिष्ट सेवा मेडल प्रदान किए जाने के संबंध में दिनांक 24 अप्रैल 1993 के भारत के राजपत्र के भाग 1 खण्ड 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की 26 जनवरी 1993 की अधिसूचना सं० 58-प्रेज/93 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

क्रम सं० 9 त्रिगेडियर बंस बहादुर माथुर (एम आर-01486) सेना चिकित्सा कोर

क्रम सं० 9 त्रिगेडियर ब्रा बहादुर माथुर (एम आर-01484) सेना चिकित्सा कोर

गिरीश प्रधान,
निदेशक

संचार मंत्रालय
(डाक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1993

विषय :— पी एन आई बीमा योजना की अधिकतम/न्यूनतम राशि संबंधी पी ओ आई एक नियमावली के नियम 3 में संशोधन।

सं० 26-70/91-एल० आई०—राष्ट्रपति एतद्द्वारा यह निदेश देते हैं कि पी ओ आई एक नियमावली के मौजूदा नियम 3 में निम्नलिखित संशोधन किए जाए।

- (1) लाईन 3 और 4 '100 रु० की राशि के लिए करवा सकना है सिवाय प्रत्याशित सावधि बीमा के जिसमें कि बीमा की गई न्यूनतम राशि 5000/- रुपए होगी'। के स्थान पर '20,000/ रु० की राशि के लिए करवा सकना है' प्रतिस्थापित करें।

(2) लाईन 5 में 'कुल राशि 1,00,000/- रुपए' के स्थान पर 'कुल राशि 2,00,000/- रुपए प्रतिस्थापित करें।

(3) लाईन 8 में '100/- रुपए के गुणांक में' के स्थान पर '10,000/- रुपए के गुणांक में' प्रतिस्थापित करें।

(4) नियम 3 के नीचे अपवाद प्रतिस्थापित करें :—

'डाक विभाग के अतिरिक्त विभागीय एजेंटों, केन्द्रीय और राज्य सरकारों सांख्यिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों आदि के समूह "घ" कर्मचारियों थल सेना, नौसेना, वायुसेना और रक्षा अस्त्रियों के समूह "घ" संवर्ग की अन्य श्रेणियों, केन्द्रीय और राज्य सरकार के पैरा सैनिक बल तथा पृथिवी सेवाओं की निम्नतर श्रेणियों के लिए डाक जीवन बीमा पालिसी का न्यूनतम मूल्य 10,000/-रु० रखा जाता है।'

डी० के० बुद्धी
निदेशक (पी०एल०आई०)

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1994

सं० 9/ई० (जी० आर०) 1/1/11—यांत्रिकी इन्जीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अग्रेजिटों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1994 में ली जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़ी

श्रेणियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत की जाने वाली सख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग, द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख प्राग्स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवारों के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो :

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा लिम्बूनी शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और केनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जाबिया, मलावी अरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता-प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु पहली जनवरी, 1994 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1974 से पहले और पहली जनवरी, 1976 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छील दी जा सकती है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (2) यदि उम्मीदवार कुवैन या इराक में वस्तुतः प्रत्यार्जनित भारतीय मूल के व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश में 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवेशन कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुवैन या इराक में वस्तुतः प्रत्यार्जनित भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश में 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवेशन कर चुका हो तो अधिक से अधिक छह वर्ष।
- (4) किसी दूसरे देश के साथ संधि में या किसी अणुप्रतिस्पर्धा क्षेत्र में पीजी कार्यवाही के दौरान बिकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (5) किसी दूसरे देश के साथ संधि में या किसी अणुप्रतिस्पर्धा क्षेत्र में पीजी कार्यवाही के दौरान बिकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो

अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

- (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन) कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित पहली जनवरी, 1994 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1994 से एक वर्ष के अन्दर पूरा न होना हो या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता या (3) अशक्तता के कारण कार्य-मुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (7) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) में, पहली जनवरी, 1994 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1994 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक।
- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जनवरी, 1994 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मन्त्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार में मुक्त किया जाएगा अधिकतम 5 वर्ष।
- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जनवरी 1994 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मन्त्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार में मुक्त किया जाएगा अधिकतम 10 वर्ष।

टिप्पणी 1—'भूतपूर्व सैनिक' शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा पदों में पुनर्नियोजन) नियमावली, 1979 में भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—नियम 5 (ख) (2) में (9) के अन्तर्गत आने वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट प्राप्त करने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है वह आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

उपयुक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आयु सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।

6 उम्मीदवार ने —

(क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इन्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो,

गणित और भौतिकी या रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय के साथ स्नातक भी आवेदन कर सकते हैं, या

(ख) स्कूली शिक्षा की (10+2) प्रणाली के अन्तर्गत हायर सेकेंडरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो या

(ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की राष्ट्रीय सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (मान्यता प्राप्त) के स्नातक कक्षा/विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोसलि के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो लेकिन शर्त यह है कि डिग्री डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उम्मेदवार माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा की गई हो, या

(घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्ण इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या

(ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्ण व्यावसायिक पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद ली गई हो प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो, या

(च) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उम्मेदवार माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो, या

(छ) केरल और कापीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विधिगत श्रेणी न दी गई हो उन्हें भी वैधानिक दृष्टि में पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का तुलना योग सम्बन्धित विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—ऐसे उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हैं जिसे पास करने में वह इस परीक्षा में बैठने के पात्र बनते हैं लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उन्हें नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकते हैं। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी ग्रहण परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो वह भी आवेदन पत्र दे सकते हैं। ऐसे उम्मीदवारों को यदि यह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा लेकिन उसके प्रवेश को अनतिम समझा जाएगा तथा ग्रहण परीक्षा को पास करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जाएगा उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर ग्रहण प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—अल्पधात्विक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को गणनात्मक दृष्टि से ग्रहण मान्यतासिकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हो, जिनके स्तर के बारे में आयोग का यह मन हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी (4)—राज्य तकनीकी-शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा स्पर्धात्मक क्वालिफाइंग प्रोसेडियर परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकार्य नहीं है।

7 उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस में निर्दिष्ट फीस दे।

8 जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी सौकरों में आकस्मिक या वैकल्पिक दूर कर्मचारी में इतर स्टाफ या अस्थाई हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत में काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अश्रीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिचयन (अडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों का ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने परीक्षा में बैठने में सम्बन्ध अनुमति मिले हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9 परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10 जब तक किसी उम्मीदवार को पास आयोग में प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11 जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्दिष्ट कदाचार का दावा घोषित होता है या हो चुका है —

(1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का सम्बन्ध प्राप्त करना, या

- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्वयं पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (4) जासी प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) धण्डा या अमल्य वस्तु देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना; या
- (8) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर अमरत बाते लिखी हो ओ अश्लील भाषा या अप्रभ्र भाषण की हो; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का हस्तक्षेप किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति दत्त हुए उम्मीदवारों का भेजे गए प्रवेश-पत्रों के साथ जागे अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा
- (12) उपर्युक्त बाधकण में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवरोधित करने जैसा भी सामान्य हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अनिवार्य निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है —
 - (क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, अनर्हक घोषित किया जा सकता है; और या
 - (ख) उस स्थिति रूप से या बिनाशित अधीन के लिए निम्न-लिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—
 - (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या अधन से,
 - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और
 - (ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किंतु यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक —
 - (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित सम्भावना जा वह देना चाहिए, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
 - (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अपवादों पर, यदि कोई हो, बिचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंश तक अक प्राप्त कर लेते हैं, जिन्हें आयोग स्वविवेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यापक परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया।

किंतु यदि आयोग को राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उसके लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अन्तिम रूप से प्राप्त अंशों के आधार पर योग्यताक्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझता उनकी उन आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाता है।

(2) आयोग अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों की सिफारिश, आरक्षित रिक्तियों की संख्या की सीमा में, योग्यताक्रम-सूची में छूट देकर कर सकता है बशर्ते कि वे आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाएं पूरी करते हों।

परन्तु उपर्युक्त नियम 13(1) के अनुसार योग्यताक्रम के आधार पर भर्ती किए गए अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवार उन रिक्तियों के लिए समायोजित नहीं किए जायेंगे जो अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

(3) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुमति की जा सकती है बशर्ते कि वे उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हों।

बशर्ते कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के जो उम्मीदवार उपर्युक्त नियम 13(1) के अनुसार योग्यताक्रम के आधार पर सिफारिश किए जायेंगे उन्हें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल किम रूप में और किस ढंग से भेजा जाए, इस बात का निणय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में गफल होने में तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पूर्व कृत्यों के ध्यान में रखते हुए सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए मर्यादा उपयुक्त हों।

16. उम्मीदवारों को मानसिक और शारीरिक दृष्टि में स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारों के रूप में अतः कर्तव्य की कृपणतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों की परीक्षाओं और सरकार या नियुक्ति अधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञान हुआ है कि इन जांचों को पूरा नहीं कर सकता है तो उनकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के निश्चित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका डाक्टरों और साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जायगी (शनिवार, रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टरों जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे, अनिवार्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे बसन्त सेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरमा लगाए हों तो उन्हें हाल ही के चर्म के नमूने के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरों की जांच की तारीख या स्थान-परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हावामें डाक्टरों की जांच से छूट के अनुरोध पर बिचार नहीं किया जाएगा —

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनका (मोलह रूपमें) रु० 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरों की जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवार को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और

(3) उम्मीदवार की डाकटरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके सामग्री पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर ले कि उसके रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा डाकटरी जांच से संबंधित अन्तर्गत से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो उनके लिए उन्हें बताया जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले निम्नलिखित स्तर के किसी सरकारी शिक्षा अधिकारी से परीक्षा करा ले। नियुक्ति में पहले उम्मीदवारों को किसी प्रकार की डाकटरी परीक्षा होगी और इसमें उसमें किस स्तर की अपेक्षा की जायेगी, इसका अंश इन नियमों के परिशिष्ट 2 में दिया गया है। अपाहिज, भूमिपूर्व सैनिक कर्मचारियों के संबंध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मानकों में छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति :—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पत्नी जिसका पति जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह हमारे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीकार्य विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमत्त है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से ज्ञान किए गए विशेष श्रेणी अभ्यर्थियों के लिए अभ्यर्थियों की शर्तें परिशिष्ट-3 में दी गई हैं। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में संबंधित संश्लेष विवरण भी परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

सतीशकुमार, सचिव
रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट-1

(देखिये नियम-3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जायेगी :—

भाग—1 नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग—2 व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिये नियम 12)।

2. भाग 1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्र. सं.	विषय	कोड सं.	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1	2	3	4	5
1.	अंग्रेजी	01	2 घण्टे	100
2.	सामान्य ज्ञान	02	2 घण्टे	100
3.	भौतिकी	03	2 घण्टे	100

1	2	3	4	5
4.	रसायन विज्ञान	04	2 घण्टे	100
5.	गणित—I (बीज गणित), प्रारंभिक बिस्तर काल त्रिकोणमिति और विशेषगुणितमक ज्यामितीय	05	2 घण्टे	100
6.	गणित II (कलन अंतर तथा समाकलन और यांत्रिकी स्थैतिकी तथा गतिकी)	06	2 घण्टे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घण्टे	100
योग				700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "वस्तुपरक (बहु विकल्प) प्रश्न" होंगे। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

4. प्रश्न पत्र में जहाँ आवश्यक हो केवल माप व तौल की सीधुिक प्रणाली से संबंध प्रश्न दिए जायेंगे।

5. प्रश्न-पत्र गणित इण्टरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ में लिखें। उन्हें किसी भी हाथल से उतर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

7. आयोजित परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए अंक अंक निर्धारित कर सकता है।

8. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

9. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं. 02) प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिससे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं. 02)

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने खारों और के बातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12 वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश :

जीवन का विकास पौष्टिक और पशु-पक्षीय और परिवेश आनुवंशिकी प्रकोष्ठ मोमोसोन, जीम्य।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार संतुलित भोजन प्रतिस्थायी बाध महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम सहित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता आतावरणीय प्रदूषण और उसकी रोकथाम, बाध अपमिश्रण बाबाबानो और उनसे निर्मित उत्पादों का सही प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्फोट जनसंख्या नियंत्रण, खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान, खाद्य और उर्वरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम बिस्म और हरित शांति भारत के मुख्य अनाज और नकदी फसलें।

गौर परिवार और पृथ्वी। ऋतुएं, जलवायु मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन वन तथा उनके उपयोग प्राकृतिक संकट (जलवायु, भूकंप, सूखा,

माद, भुक्ष्म, ज्वाभामुखी उदगार)। पर्वत और नदियाँ और भारत में मिचार्ड के लिए उनका योगदान। भारत में प्राकृतिक साधनों और उद्योगों का वितरण तेल सहित भूगत खनिजों की खोज। भारत के वनस्पतिजात और प्राणिजात के विषय संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधन।

भारत का इतिहास राजनीति और समाज :

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मौर्य, गुप्त, प्रांथ कुशान, गुप्त काल (मौर्य कालीन
संभ स्तूप काद्वाराएं, सांची, मथुरा और गम्धर्व विशालय मंदिर वास्तुकला अणन्ता
और गलीरी) ।

इस्लाम के धर्म के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संघर्षों की स्थापना। सामन्तवाद में पृथीवाद में स्थानांतरण। यूरोपीय संघर्षों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय संग्राम।

भारत का संविधान, और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं — लोकतंत्र, धर्म-निरीक्षता, समाजवाद, समाजता के अन्तर्गत और सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख-राजनैतिक विचार धाराएं — लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और बहिष्ता के गांधीवाद विचार । भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेस अन्तर्गत प्रणाली ।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता—वास्तव निर्माण होश शक्ति संतुलन । विश्व संगठन—राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित) ।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मूल्य विवेचनाएं—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तनों और दृष्टिकोण अत्यन्त महत्वपूर्ण सामाजिक संस्थाएं—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संरक्षण ।

श्रम विभाजन, गृहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और सभा, कला, कानून, रीति-रिवाज, गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक, नियंत्रण की एजेंसियों—परिवार, धर्म, राज्य शैक्षिक संस्थाएं, सामाजिक परिवर्तन के कारण, आर्थिक, दौलतशास्त्रीय जन सांख्यिकीय सांस्कृतिक जाति की संकल्पना ।

भारत में सामाजिक दृष्टिकोण :

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जमजीवन में अष्टाचार, युवक अशांति, भीख मांगना, शीघ्र अस्पराश्रित और अस्पराश्रित, गरीबी और बेरोजगारी ।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण
और श्रम, कल्याण, जनसुखित जानियो और पिछड़े वर्गों का कल्याण ।

धन कराधान, मूल्य, जन सांख्यिकीय, बुद्धिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निर्जी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास स्वीती और माधन जुटाने के संबंध में मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं भारत की पंच-वर्षीय योजनाएं ।

भौतिकी (कोड सं० 03)

बर्नियर, स्प्रूगेज, स्पीयरमीटर और माप्टीकल सीवर का प्रयोग करते हुए लंबाई की माप ।

समय और व्यवधान का माप :

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच संबंध ।

स्थूल के गति के नियम, संवेग, आवेग, कार्य ऊर्जा, और शक्ति ।

वर्षण गणिका :

बल प्रिया के अस्तंगत पिरो का संतुलन । बल का आधुन्य; मगपत भूटन का गुरुत्वाकर्षण मिश्रित । पलायन वेग । गुरुत्व के कारण स्वरण । द्रव्यमान तथा भार । गुरुत्व केन्द्र । एक समान अक्षीय गति अभिकेन्द्र बल । सरल आवर्त गति । सरल लोलक ।

ब्रह्म में दबाव और इसकी विभिन्न गहराई । पास्कल का सिद्धांत । आर्क-मिमीज का सिद्धांत, तैरने वाले पिण्ड, परिवेशी दबाव और इसकी माप ।

तापमान और इसकी मात्रा। तृतीय प्रसार। गैस नियम और परम ताप। विशिष्ट उष्मा। गुप्त उष्मा और उसकी मात्रा। मैक्स की विशिष्ट उष्मा। उष्मा का यांत्रिक समकक्ष। आंतरिक ऊर्जा और उष्मागतिक का पहला नियम। समपाती और सन्न्यो में परिवर्तन।

उष्णमा संचरण ; नापीय जालकता :

तरंग गति अनुरोध और अनुपस्थ तरंगें । प्रगामी और अप्रगामी तरंगें ।
 तैम में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता । अनुमाद परिघटना
 (वायु स्तंभ और रज्जु) ।

प्रकाश का परिवर्तन ग्रीष्म आधेनन । तब वर्षाओं और शीतों द्वारा बिब रक्षता ।
मृक्षमवर्षी और वृक्षवर्षी (कण्टि बोव) ।

प्रिज्जम :- विचयन और प्रतीर्णन । न्यूनतम विचयन दृश्य स्पेक्ट्रम ।

छठ नुम्बक का क्षेत्र । नुम्बकीय प्राचूर्ण । भू- नुम्बकीय क्षेत्र के तत्त्व नुम्बकीयमापी । डाय, पैरा और फीरो नुम्बकत्व ।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव: कोलम्ब नियम ।

विद्युत धारा—विद्युत सेल, ई.एम.ई.३, प्रतिरोध एमीटर और ओह्ममीटर।
 बोल्ट्जम का नियम : श्रेणी और समांतर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और
 खालिकता धारा का तापन प्रभाव।

ॐहीटस्टोन त्रिज, विभवमापी :

धारा का चुम्बकीय प्रभाव : सीधे तार कुंडली और सोलिनाइड : बिद्युत चुम्बक, बिद्युत घंटी ।

समुच्चयीय क्षेत्र में खालक वाणी धारा पर बना अल कुंली-धाराभापी, ए-मीटर या कोल्टमीटर. परिचालन ।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रिया-विधि विद्युत अपघटन के नियम ।

विद्युत् शुष्ककीय प्रेरणा सरल ए० सी० मदा ३० सी० जनित्र । ट्रांसफार्मेर ।
प्रपञ्चन वृत्तली ।

मैथिली किरणें, एमैकटान की खोज, परमाणु का मोह्र साइल शायद और
परिशोधक के रूप में इसके उपयोग ।

प्रश्न— किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग ।

रेडियोधर्मिता —एल्फा, बीटा और गामा किरणें ।

नाभिनीय ऊर्जा, विश्रुतन और सलयन : द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन
केंद्रित अभिव्यक्ति ।

रसायन विज्ञान (कोड सं० 04)

भौतिकी रसायन विज्ञान :

1. परमाणु संरचना संक्षेप में पूर्ण भाइल । किबिम भाइल के रूप में परमाणु । कक्षाएं परिसंकेलपमा । क्वाण्टम, संख्या और उनकी विशेषता ; केबल मारमिक । अभिक्रिया । बाली का अपचर्जन सिद्धांत । इलेक्ट्रानिक विम्याम । अफन सिद्धांत एम० पी० डी० और एस० ब्लाक तत्व ।

आवर्ती वर्गीकरण—केवल बोध रूप। आवर्त और इलेक्ट्रॉनिक विन्यास परमाणु अनुपात। आवर्तक और ग्रुपों में विद्यमान नकारात्मकता।

2 रासायनिक आवरण इलेक्ट्रोलैट, कोलेट कोर्डिनेट, की ब्लैट बंधन। जल तथा पक्कम। बंधनों के बंधन गुण जल, हाइड्रोजन सल्फाइड, मोथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार। मोलेक्यूलर सबंध और हाइड्रोजन आवरण।

3 रासायनिक अभिक्रिया, उर्जा परिवर्तन, उष्मा उन्मीची और उष्मा-शीतो अभिक्रिया। उष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर उष्मा सकलन की हैम का नियम।

4 रासायनिक सकलन और अभिक्रिया की दूरे। द्रव्यमान व क्रिया का नियम। दबाव के प्रभाव। तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ला चेटेलियर के सिद्धांत पर आधारित गुणात्मक अभिक्रिया) आणुविक्रता प्रथम तथा द्वितीय तम अभिक्रिया। सक्रियमण का उर्जा परिकल्पना। अमोनिया और सल्फर ट्राइआक्साइड के निर्माण के लिए प्रयोग।

5 विलयन, वास्तविक विलयन, कोलोइड विलयन और स्थगन। टन विलयनों के अनुसूच्य गुणधर्म और विलान पदार्थों के अणु सार निश्चिन करना। बवाली बिंदुओं का उन्त्यन हिमाक मलबादन। अस्मेट दबाव। रास्ट का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया)।

6 विद्युत रसायन विज्ञान—विद्युत अपघटन। विद्युत अपघटन का फेराडे नियम। आयामी मयलन। धुलनशीलता उत्पाद। प्रबल तथा क्षीण अपघटन। अम्ल तथा बेस (ग्लोबल तथा यनिस्टाड की परिकल्पना) पी० एच० तथा उभय प्रतिरोधी विलयन।

7 आक्सीजन अपचयन—आधुनिकी इलेक्ट्रॉनिक परिकल्पना और आक्सीजन अक।

8 प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनात्मिकता—नाभिकीय विखंडन और सलयन। विघट नाभिक ममस्थानिकों के उपयोग अकार्यनिक रासायन विज्ञान।

अज्ञेय रसायन विज्ञान —

तत्त्वों का मक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण।

1 हाइड्रोजन अबत तालिका में स्थित हाइड्रोजन का ममस्थानिक—गुणात्मक तथा घनात्मक विद्युत। जल, कठोर तथा मंद जल, उद्योगों में जल का उपयोग। भारी पानी और इसके उपयोग।

2 ग्रुप 1 तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनिर्माण सोडियम कार्बो-नेट। सोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम फ्लोसाईड।

3 ग्रुप 2 तत्व। आश तथा बुझा हुआ चूना। जिप्सम। प्लास्टर ऑफ पेरिस। मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4 ग्रुप 3 बीरकम, एलमिया तत्व और एलम।

5 ग्रुप 4 तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ओम ईंधन। मिलिकेट, गोलि-टिम तथा अर्द्ध सूचालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6 ग्रुप 5 तत्व। अमेनिया और नाइट्रिक अम्ल का वि-निर्माण। शैल फास्फेट और रिनापट दियामलाई।

7 ग्रुप 6 तत्व। हाइड्रोजन और आक्साइड, गंधक सल्फ्यूरिक अम्ल की उपरपता गंधक के आक्साइड।

8 ग्रुप 7 तत्व। फ्लूरिन, क्लोरिन, ब्रोमीन और आयोडीन का निर्माण तथा उपयोग। हाइड्रोक्लोरिक एसिड। ब्लैचिंग पाउडर।

2—421GI/93

9 ग्रुप 0 (उत्कृष्ट गैस डीलियम और इमके उपयोग)।

10 धातुकर्मिय ससाधक—ताबा, लोहा एल्युमिनियम। चादी मोता, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट सदर्थ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतिया। इन धातुओं की सर्वनिष्ट मिश्र धातु निकिल मैंगनीज इत्यादि।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1 कार्बन का टेट्रोहेड्रल स्वरूप। मस्करण जी० एन० बंधन तथा उनकी सापेक्षित शक्ति। जल तथा बहुबंधन अणु का आकार। ज्योमितीय तथा प्रकाशीय समावयकता।

2 एलकेन, एलकीम और एलिफलीन के तैयार करने के गुणधर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतिया। पेट्रोलियम और इसका परिष्करण, ईंधन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन —

अनुवाद और एरोमैटिकता। वैन्जीन तथा नेफ्थालीन और उनके सादण्य एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाए।

3 हेलोकीन व्युत्पत्तिया, क्लोरोफार्म कार्बन टेट्राक्लोराइड, क्लोरोबेन्जीन—डी० डी० टी० और गमबसीत।

4 हाइड्रॉक्सी मिश्रण—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल, मिथनोल, एथनोल, ग्लायरोल और फिनॉल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एलिफेटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापना अभिक्रियाए।

5 प्रवर—डाइथाइल ईथर।

6 एल्डीहाइड्स और केन्टास। फार्मलडीहाइड। एमीटेलाइज पेने-लडाहाइड, एमीटीन एस्माटाफीनॉल।

7 नाइट्रो योगक एमीन, नाइट्रोबेन्जीन, डी० एन० टी०। एनीलाम डाइजीनियम योगिक। एजोडाइज।

8 कार्बोक्सीलिक अम्ल फोर्मीक, एसोटिक बेनजोइक और मलिसिलिक अम्ल, एसीटाइल सेलिमिलिक अम्ल।

9 एसटर एथालरोसीटड, मिथाइल, मेलीसिलेट्स, इथाइल बजार।

10 पालीमर्स गेलीथीन टजलान, पसपैक्म, कृत्रिम रबड, नायलान और पोलिस्टलत।

11 काबोहाइड्रेट्स, बसा और लिपीड्स, एमीली अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हार्मोन्स का असरचनात्मक अभिक्रिया।

गणित -1 (कोड 80-05)

दीज गणित

अक प्रणाली—वास्तविक अक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रारम्भिक अक सिद्धांत—विभाजा, लघुगुणिक विधि।

अभाज्य और मयुक्त मय्दाण, गणित तथा गुणतखण्ड—गुणतखण्ड प्रमेय। महत्तम समावर्तक और लघुतम समावर्त्य युक्लीवीन एल्मोन्थिस।

लघु-गुणक और उसका प्रयोग।

आधारी प्रक्रिया सरल गुणतखण्ड। बहु-पदी का महत्तम समावर्तक लघुतम समावर्त्य। विघाती समीकरणों का हल, इसके हल और गुणाक में सम्बन्ध।

भाजिक एन्थोमिथम ।

सूचकों के नियम ए० पी० और जी० टी० ज्यामितीय श्रणियों और उमका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग ।

असमय और सन्तोसल । एतात्मक पूर्णक सूचक के लिए द्विपद परिमेय । त्रिकोणमिति के लिए, परिमेय सूचकों के लिए द्विपद प्रमेय का प्रयोग ।

युगपत यौगिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनके हल । एक्स¹, एक्स² और एक्स³ पर चार्ज के लिए हुए मूल्यों के लिए द्विपक्षीय चार्ज=ए० +बी० एक्स +सी० । एक्स² का संयोजन ।

युगपत रेखिक असमिक (दो अज्ञात संख्याओं) में और उमका ग्राफ 2×2 मैट्रोमिथ और प्रारम्भिक संक्रिया । तत्समक आयुक्त । 3 में अधिक क्रम का आध्य निष्पन्न का विषय ।

आरम्भिक विस्तार कलन

समकम आकृति का क्षेत्रफल । बनों परामिथों, लम्ब वृत्तीय बेलनों के आयतन और घनत्व—शंकु और गोलक ।

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियाँ और रेडियन में माप । त्रिकोणमिति अनुपात । योग के सूत्र । कोणों के अपवर्तकों और अपवर्तकों के साइन की लाइन और टनजेंट । सात की लाइन और टनजेंट का अवर्तित और ग्राफ । सरल ऊर्चाई और दूरी के सरल प्रश्न ।

त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल ।

ऊँचाई और दूरी के सरल प्रश्न ।

विषमेषक ज्यामितीय

समतल में रेखा का समीकरण । प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण । दो रेखाओं के बीच कोण । समांतर और लंबीय रेखाएँ ।

दो सीधी रेखाओं का काटिशियन समीकरण ।

वृत्त का समीकरण । सामान्य समीकरण । वृत्त के स्पर्शों और सामान्य समीकरण । शीर्षों के मूलाक्ष । वृत्तकूल ।

परवलय दीर्घवृत्त और अतिपरवलय का नक भी रण । बक पर किसी बिंदु पर स्पर्शों और सामान्य समीकरण ।

गणित-2 (कोड सं० 06)

फलन (अवकलन और पूर्णक)

उदाहरणों द्वारा आरम्भिक फलन और उसके ग्राफ । संयुक्त और व्युत्क्रम फलन वास्तविक फलनों का बीजगणित परिमेय और त्रिकोणमिथ फलनों के उदाहरण और फल-फलन ।

सीधा धारण और फलन और योगस्तर का मातृय फलनों की उत्पत्ति और भागफल ।

किसी बिंदु पर फलन का व्युत्पन्न । परिवर्तन का तत्समिक दर के रूप में व्युत्पन्न और चक्र का बाल ।

फलनों के योग, अंतर गणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियाँ, संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियाँ । बहुपद फलनों, परिमेय फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों की व्युत्पत्तियाँ ।

फलनों का आद्य वृक्षीय अनिश्चित पूर्णक

सरल मामलों में आद्य की परिगणन (सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और अंशकः समेकन ।

यांत्रिकी (संज्ञित पद्धतियों की अनुमति होगी) ।

स्थितिकी बल का निरूपणबल समांतर अनुभुज । बल का संयोजन और विघेदन और समदिन और विपरीत बल आधुन बल युग्म । संतुलन के प्रति-जघसंगामी (बल और समतलीय बल 4 के अधिक नहीं) ।

बल अभिभुज ।

सरल पिण्डों का गुरुत्व केन्द्र ।

कार्य और शक्ति । सरल यंत्र (लीवर, चिरमी तत्स गियर) ।

गतिकी । कण का विस्थापन गति वेग और त्वरण । मत्त त्वरण के अंतर्गत, सीधी रेखा में गति । प्रक्षेपी से संबंध सरल प्रश्न । एक रस्ती में बंधे दो वयमामो की गति । ऊर्जा विनियम ।

संनवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं० 07)

प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवारों को बुनियादी ज्ञानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके ।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा माक्षाकार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा बाहरी दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अविलेख होगा । उनमें सामान्य हित के मामलों से संबंध प्रश्न पूछे जाएंगे । उनके नेतृत्व में पद्धतशक्ति और बोद्धिक उत्सुकता व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति व्यवहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा ।

परिशिष्ट-2

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम ।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रकाशित किए जाते हैं । विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षकों और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है । किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उसकी अनुशंसा करने का अधिकार होगा जिसके लिए बोर्ड इस आशय के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि अनुक उम्मीदवार सरकार को हानि के बिना सेवा में नहीं किया जा सकता है ।

बहु स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार के चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसमें नियुक्ति के साथ दक्षतापूर्ण काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, उचाई और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह छोड़ दिया गया है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में बिपन्नता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ श्रवण अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्न लिखित है। जिसमें बिना पूरा उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता —

	छाती का घेरा कैलाब		
	(पूरा कैलाब)		
	से० मी०	से० मी०	से० मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152	84	5
महिला उम्मीदवारों के लिए	150	79	5

अनसूचित जनजातियों तथा गोरखाओं गृहबालियों, अमियों नागापीण्ड व आदिवासियों आदि जैसी जातियों जिनका औसत कद स्पाटन ही कम होता है के उम्मीदवारों के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा —

वह अपने जुते उनाल दगा और उसे मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) के साथ इस प्रकार खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहे और उसका वजन सिवाय एडिया के पांचों के घुंगुठों या किसी हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडिया पिण्डनिया, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी तब मिर का स्तर (वर्टिकल आफ दी हैड लैवल) हारिजेंटल बार (आर्ची छड़) के नीचे आए। कद सेटीमीटरों और आर्च सेटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है —

उंगे इस भावि खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं मिर के ऊपर खड़ी हों। फीते को छाती के मर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा अगफलक (सोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणी (इन्फ्रिग्यर एंग्रिस्म) के पीछे रहे और यह फीते उसकी छाती के मर्द के जाने पर (आउट समतल उसी हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा। और उन्हे शरीर के साथ खटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। जैसे 84-89 96-93 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधा सेटीमीटर से कम भिन्न फरक को नाट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान—अंतिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती को बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश मोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता एबनॉर्मलिटी का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुग्रेट स्ट्रक्चर) का कोई रोग हो जा उसे अथवा आगे किसी भयम सेधा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत करने का चाहिए।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

बचने के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक माप में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इस रिकार्ड किया जाएगा, क्योंकि इसमें आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फॉर्मेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जायेगी और उसकी दृष्टि सुनिश्चिता रेलवे बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थायी सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

विशेष ध्यान—नीचे निर्धारित स्तर को जो उम्मीदवार पूरा नहीं करेंगे उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बचने के साथ और बचने के बिना दृष्टि सुनिश्चिता का मानक निम्न लिखित होगा —

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	अच्छी आंख	अच्छी आंख	अच्छी आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिए	6/6 अथवा 6/12 अथवा 6/9 अथवा 6/9	ज 1	ज 1	ज 11

टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (मिलेण्डर सहित) कुल (—4 00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हाइपरमेट्रोपिया (मिलेण्डर सहित) कुल (+4 00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फ़ुस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक दशा हो जा कि बर्तकता है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाय।

टिप्पणी (2)

कलर विजन—कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिए। लाय सक्नेट हरे सक्नेट और सफेद रंग के लवेल के प्रभाव से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना सनोपजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इण्डियाहो की प्लेटों और एण्ड्रियन जैसी दोनो मैटन का प्रयोग होगा।

नीच दी गई मालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उत्त्पन्न (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो सेंटेंट में एपेंडर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उत्त्पन्न ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. डारक (एपेंडर) का आकार	13 सी० मीटर	13 सी० मीटर
3. उबरागाव वाला	5 सेन्टेड	5 सेन्टेड

स्पेशल क्ल्यास के अप्रैन्टिस के लिए रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उत्त्पन्न ग्रेड आवश्यक है।

टिप्पणी (3)

वुटि शेन (फील्ड आफ बिज़न)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फेन्टेशन मैथड) द्वारा युनिट वुटि शेन की जांच की जायेगी। जब एम्मी जांच का तनीजा असेनोपजनक या संविद्य हो तब वुटि शेन की परमापी पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)

रनोधी (नाइट ब्लाइटनेस)—क्षय विशेष भागला को धारकर रनोधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रनोधी में दिखाई न देने के प्राच करन के बाद कोई स्टैण्डर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मरिफल घांछ को हो गेमे काम खलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए। जैसे रणनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उसमें विविध धातुओं की पट्टान करवा कर वुटि नोक्षणता रिकार्ड करना। उम्मीदवार क नटने पर ही हमेशा बिण्वास गही करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)

वुटि से नोक्षणता से मिनट आध का दशा आन्तरिक दर्शन —

(क) आध की अग सधो विमारा का या बरती दुई अगबनेन श्रुटि (रिफ्लेक्टिव एरर) जिसके परिणामरूप वुटि की नोक्षणता को कम न होनेकी यथावना हो, अयोधता के कारण समझा जाना चाहिए।

(ख) भंगापन—जहा दोगा आध की वुटि का ज्ञान जरूरी है भंगापन अयोधता माना जाएगा चाहे वुटि की नोक्षणता निर्धारित स्तर का हो या न हो।

(ग) एक आध वाला व्यक्ति—एक आध वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी (6)

कान्टेक्ट लैंग—नीचकित्ता परीक्षा क दौरान उम्मीदवार का कान्टेक्ट लैंग का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आध का परीक्षण करने समय दूर की वुटि क लिए टाइट अंधा की प्रदीप्ति 15 फुट कन्डिल की प्रदीप्ति जैसी हो। विशेष परिस्थितिया में किसी उम्मीदवार क सम्बन्ध में किसी गने को शिवित करने की छुट सरकार को है।

7 रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर क सम्बन्ध में चार्ज अपन निष्ठा में धाम लेगा तामें

मेक्सीमम मिस्टालिक प्रेशर के आकलन की कम्प्यूटेशन विधि निम्न प्रकार है—

(1) 15 से 25 वर्षों के युवा व्यक्तियों में सामान्य ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।

(2) 25 के ऊपर की आयु वाले व्यक्ति में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 जमा प्राप्ती आयु का सामान्य नियम बिल्कुल सटीक जनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर मिस्टालिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को मरिद्य मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोध या योग्य ठहरान के यत्न में अपनी शक्ति राय देते से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को गरमता में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि फ्लूइड (एक्साइटमेंट) आदिके कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला हमका कारण कायिक (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्साई और इलेक्ट्रोकार्डियो-ग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकारा (क्लियरेंस) की जांच की भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पांच बजे दाब मापो (मनरी मोनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यापार या बबलहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं होना चाहिए। रोगी बैठा हो या लेटा हो वर्णन कि वह और थिण्पकर उसकी आध शिवित और आराम में हो। यहा थोड़ी बहुत होरिजेन्टल स्थिति में रोगी के पायर्पर हो तथा उसके कपड़े में कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच में रबट भूजा के अन्धर की ओर रखकर और उसके निचले किनारे को कोहनी के माथे में एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। हमें बाद बपडे की पट्टी का फैलाकर समान रूप से खपटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई डिस्टा फूल कर बाहर न निकले।

बाहनी क दोन पर बाह्र जमती (बैक्जिल गार्डर) को दबा दबा कर दखा जाता है और तब इसके ऊपर दोचा-बीच स्टेशन्काफ को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ सलगभग 200 एम० एम० जी० हवा भर जाती है इसके बाद इसमें धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हवा की गमिध ध्वनिया सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पाये का कामस टिका जाता है वह मिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है और जब हवा निकाली जाएगी तो और मात्र ध्वनिया सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर गाक और अस्थी सुनाई पड़ने वाली ध्वनिया हल्की हवी हुई सी लप प्राय हो जाए वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी धांधी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ स लंबे समय का दबाव रोगी के लिए आवश्यक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पढ़ना करनी जरूरी है तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही एना किया जाए। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर तक ध्वनिया सुनाई पड़ती है, दाब गिरने पर ये गाध हो जाती है तथा निम्नस्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस 'साइनेट गी' से रीडिंग गलती हो सकती है)।

8 परीक्षण की उपस्थिति में किए गए मन्त्र की भी परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार क मन्त्र मर्यादित जांच द्वारा शक्कर का पता चलने बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करवा और मधुमय (डायबिटीज) क चोचक बिन्ध और लक्षणा का भी विशेष रूप से नाट करवा। यदि बोर्ड उम्मीदवार की ग्लूकोज में बहुत (ग्लाइकोरिया) क विवाय अपाक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार वाइस गने क साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज में अमयमर्ह (नान डायबेटिक) है और इस बोर्ड का हम कस मेडिकल फिटनेस क स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार पास अस्पताल और प्रयोगशाला ही सुविधाएँ हो। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर रॉलरैम टेस्ट संवेस

जो भी चिकित्सक लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अनिम गय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। आंशिक के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जान के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसकी अस्थाई रूप से नव तक प्रसवस्थ यापित किया जाना चाहिए जब तक कि उनका प्रसव पुरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूती की तारीख में 6 हफ्ते बाद आगेय्य प्रमाण पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अनिवार्य बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ना है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेजन) न इयूरिंगएड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बल्कि कि कान की बीमारी बहने वाली न हो।

चिकित्सा परीक्षा अधिकांश के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शन जानकारी दी जाती है:—

- (i) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण श्रवण कलाप एपेन्डिंग पदों पर बहुरूपन द्वारा कान सामान्य नियुक्ति के लिए प्रयोग्य।
- (ii) दोनों कानों में बहुरूपन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण के लिए यंत्र (हियरिंग एड) वृद्ध सुधार संभव हो।
- (iii) मेटुल प्रथवा माजिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रन का छिद्र कर्ण पट्टन का कोई छिद्र ठीक न हो भी अयोग्य किन्तु विशुद्ध चार का निष्पात अयोग्यता का कारण नहीं माना जायेगा।
- (iv) कान का एक ओर दोनों आर स्पेशल ब्रवास अपेन्डिंग के पदा में मरटारट कीटिटी में सवनाथेल लिए अयोग्य।
- (v) बहते रहन वाला आपरेजन तकनीकी और गैर तकनीकी पदों किया गया बिना आपरेजन के लिए अस्थाई रूप में अयोग्य। किया गया।
- (vi) नामापट्ट की हृष्टी सम्बन्धी विपमताओं (त्रोनी डिफासिटी) गहिन अथवा उसमें रहित नाक के जीर्ण प्रवाहक आप-जिक दशा।

(ii) यदि लक्षणों सक्ति नामापट्ट अकसर विद्यमान हो तो अस्थाई रूप में अयोग्य।

(vii) टागिल्स आर अथवा रवरयन (नॉर) की जीर्ण दाहक दशा।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप में अयोग्य।

(viii) कान, नाक, गले (ईयान् एन) (i) इनका दृष्टार अस्थाई अस्थाई के हल्के अथवा अपने स्थान रूप से प्रयोग्य। पर यदमदयुगर।

(ii) नुदम दृष्टार अस्थाई अस्थाई यंत्र की सहायता में या आपरेजन के बाद 30 डेमा-नेम श्रवणता के अन्दर होने पर योग्य।

(ix) ग्राम्फोन्टोग्राफ ग्रेफोन कलाप अपेन्डिंग के लिए अयोग्य। आपरेजन के बाद श्रवण गहायक यंत्रों की सहायता में सुनाई देने की मरटा 30 डेमिबिल के अन्दर होने पर स्वस्थ।

(x) कान, नाक अथवा गले के अस्था- (i) यदि काम कान में बाधक जान दोष।

(ii) भारी मात्रा में हस्तवाहट हो तो अयोग्य।

(xi) नजलपोंथी अस्थाई रूप में अयोग्य।

(xii) उम्मीदवार बोलने में हकालाना/हकालती नहीं हो।

(xiii) उसके दात अच्छी हालत में है या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर तकनी दात लगे है या नहीं। (अच्छी तरह चबे हुए दातों को ठीक समझा जाएगा)।

(xiv) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफर ठीक है या नहीं।

(xv) उभेपेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(xvi) उसे स्पष्ट है या नहीं।

(xvii) उसे हाडबोनीव, बही बूई बेरिफोयिल, बेरिफा (शिगवेन) या बवासीर है या नहीं।

(xviii) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी अधिया सखी-भाति स्थिति रूप में स्थिती है या नहीं।

(xix) उसे कोई विरम्याई लला बीमारी है या नहीं।

(xx) कोई तन्मजान कुरखता या दोष है या नहीं।

(xxi) उसमें किसी उम या जीर्ण बीमारी के निशान है या नहीं। जिनमें अमजोर गटन का पता लगे।

(xxii) कारगर टीके के निशान है या नहीं।

(xxiii) उसे कोई मसारी (कम्यूनिकेवल) रोग है या नहीं।

11. शिल आर फेफड़ों की रूची विलक्षणता का पता लगाने के लिए माप्रायण गार्शरिक परीक्षा में जाना न हो उसी समय में नेशी रूप में छाती की पन्मने परीक्षा की जानी चाहिए।

बोर्ड रोग मिलता उसे प्रमाण पत्र में प्रथम्य हो नाट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार में अपेक्षित दस्तापूर्ण दृष्टी में उसे आरा पढ़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी (क)—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु निम्न चिकित्सा बोर्ड—चाहे बोर्ड विशेष हो या स्थाई हा—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती

की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को होने चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के निनिष्पत्य में निर्णय सम्बन्धी त्रुटि की संभावना में सम्बद्ध प्रमाण पत्र के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसी प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक उम्र सम्बद्ध चिकित्सा अध्ययनी की पूरा आयु की टिप्पणी अंकित न हो कि वह टिप्पणी हम तथ्य की पूरी तरह अनन्त रूप अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा अनुपयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया।

टिप्पणी (ख) — अग्रणीय चिकित्सा बोर्ड के बाद कोई अन्य अपील स्वीकार्य नहीं होगी और अग्रणीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय फाइनल होगा।

मेडिकल बोर्ड और उम्र की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए गुंजाइश करनी चाहिए।

2. किसी ऐसे व्यक्ति को पर्यटक सक्षम भन्ती के लिए योग्य नहीं गणना जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (प्रपार्टिंग प्रबार्डर) को यह समझी नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वाइटी इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेना चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उत्पन्न हो सम्बद्ध है जितना वर्तमान में है और मेडिकल परीक्षा का मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामलों में अज्ञान मृत्यु होने पर समय एवं पेंशन या अदायगियों का रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रत्येक निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की मनाहट उस हालत में नहीं दी जाती चाहिए जबकि कोई ऐसा शेष हो तो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में लायक पाया गया हो।

4. महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जायेगा।

5. डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्टों को गोपनीय रखा जा चाहिए।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार का बताया जा सकते हैं किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई उसका विस्तृत व्योरा नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामले जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार का अयोग्य बनाने वाला छाटी-मोटी खराबी (चिकित्सा औपचारिक या अन्य) द्वारा दूर हो सकती है, वहाँ डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिपोर्ट किया जाना चाहिए। नियुक्ति

प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाय तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा।

आपनी मेडिकल परीक्षा में पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके पास लगी हुई घोषणा ((डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित बातों की और उम्मीदवार को विशेष रूप में ध्यान देना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिख —

(गोप्य प्रश्नों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें।

3. (क) क्या आप गारबा, गड़बावा, अममिया जैसी जातियां नानाविध जनजाति आदि में से किसी से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रिप (ग्लेडस) का बुखार या इनमें पीप पड़ना, शूक में खून आना, दमा, बिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मुँहासे की बीमारी, रूमेटिज्म, एपिडिमिडिज्म हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरा कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण श्वा पर लटे रहना पड़ा हो, और जिसका मेडिकल या मांजकन किया गया हो, हुई है ?

5. क्या आप या आपका कोई निकट का सम्बन्धी कभी कन्जम्पशन, मीशकता, गाउट, दमा, दारु, अस्मार्, या पायलपन का निवारण हुआ है ?

6. क्या आपका अधिक काम या किसी दूसरे कारण में किसी निम्न की प्रभावना (नर्वसनेस) हुई ?

7. आपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यार द —

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय पिता आपके कितने भाई आपके कितने छोटे उनकी आयु की आयु और मृत्यु जीवन है उनकी भावों की मृत्यु और स्वास्थ्य की का कारण आयु और स्वास्थ्य हो चुकी है मृत्यु अथवा की अवस्था के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण।

1	2	3	4
यदि पिता जीवित	मृत्यु के समय	आपकी कितनी	आपकी कितनी
होना उनकी आयु	मृत्यु की आयु और	बढ़ने जीवित है	बहिनो की मृत्यु
और स्वास्थ्य की	मृत्यु का कारण	उनकी आयु और	हो चुकी है मृत्यु के
अवस्था		स्वास्थ्य की अवस्था	समय उनकी आयु
			और मृत्यु का
			कारण।

5	6	7	8
8. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?			
9. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हा तो बताइए किन सेवा/विन सेवाओं के लिए आपको परीक्षा की है ?			

8. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

9. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हा तो बताइए किन सेवा/विन सेवाओं के लिए आपको परीक्षा की है ?

10. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था।

11. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

12. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी सवाल सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट—उपस्थित कबल की सहायता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा।
जामबूझकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेना और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो वाधक्य नियुक्ति भत्ता (मुपरणुगुनत क्षमाउत्स) या उपदान (ग्रेजुएटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(अ) (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास : अच्छा
बीच का खराब
पोषण : पतला (औसत)
मोटा कम (अधिक उलारकर)
बजन अस्थिर बजन कब था ?
बजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
तापमान
छाती का घेरा
(1) पूरा मांस खींचने पर
(2) पूरा मांस निकालने पर

2. रक्ता—कोई जाहिर बीमारी।

3. नेत्र

- (1) कोई बीमारी
- (2) रतौधी
- (3) कलर बिजन व दोष
- (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ बिजन)
- (5) दृष्टि क्षीणता (विजुअल एक्सीटी)
- (6) फण्डस की जाँच

दृष्टि की तीक्ष्णता	चक्षु के बिना	चक्षु में	चक्षु की स्पीमिल	पावर एक्सल
दूर की नजर	वा० ने०			
	बा० ने०			
पास की नजर	दा० ने०			
	बा० ने०			
हाईपरमीट्रियिया (धक्का)	दा० ने०			
	बा० ने०			

4. कान : निरीक्षण सुगता

दायाँ कान बायाँ

5. ग्रन्थिया थाइराइड

6. दाँतों की हालत

7. ध्वसन तन्त्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर मांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा ?

यदि पता लगा है तो पूरा व्यौरा दे
पारमचरण तन्त्र (सर्कुलेटरी सिस्टम)

8. हृदय . बोर्ड आर्थिक शिक्षण कार्वेनिक मोचन—गति (रेट) खड़े होने पर

25 बार बुझा जाने के बाद
बुझा जाने के 2 मिनट बाद
बन्द ड्रेजर मिस्टालिक
डायस्टालिक

9. उदर (पेट) घेरा स्पर्श सहायता इमिमा

(क) स्वाकर भायुम पड़ना/जिगर
निलगी मुई
.....

(ख) स्कलार्थ
भगंदर

10. तालिका तन्त्र (नर्वेसिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत
भाव तन्त्र (लोकोमोटर सिस्टम)
कोई अपसामान्यता

11. तालिका तन्त्र (नर्वेसिस्टम) तंत्रिका या मानसिक हाइड्रोमीन, बेरिकोमील आदि का कोई संकेत :—

12. मूत्र परीक्षा :—

(क) कैपा दिखाई पड़ता है ?

(ख) ग्रेविलिन मुख्य (नोमिफिक ग्रेविली),

(ग) एन्डमैन

(घ) इनकर

(ङ) काम्टम

(च) कोशिकाएँ (सेल)

13. छाती की प्रकार परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह रूप मेरा की बुद्धि को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए प्रयोग हो सकता है ?

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 महीने अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से प्रभावित किया जाता चाहिए, क्योंकि विनियम 9।1।

15. उम्मीदवार परीक्षा पास कर दिए जाने के बाद किस सेवाओं में कार्य के दस महीने निभावन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किस सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है।

स्थान
तारीख
अध्यक्ष
सदस्य

परिशिष्ट 3

इस परीक्षा के आधार पर चने गए स्पर्धालक्षणा अभ्यर्थियों को अप्रेंटिस-शिप दी जाएगी।

अप्रेंटिसशिप की शर्तों का उल्लेख इण्डियन रेलवे एम्प्लॉयमेंट रूलेशन में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा जिसका अधिस्त निम्न प्रकार है—

1. स्पेशल क्लाम रेलवे अप्रेंटिस के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्तावित एम्प्लॉयमेंट का निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का करार करना होगा कि सरकार की मनुष्य के अनुसूच स्पेशल क्लाम रेलवे अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को रद्द करार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लौटाते के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभूत व्यक्ति रूप में तथा पुराने-पक्के रूप में बाध्य होगी सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा।

अप्रेंटिस की शर्त में एक बार सर्वोच्च प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस प्राण्ड के बाधक अनुबंधपत्र के अंतर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़े तो उच्च प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रेंटिसशिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष तथा तृतीयांश जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उसमें सतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रेंटिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने दृष्टि अधिकारी की इस बारे में मतभेद नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रेंटिसशिप में प्रवेश कर दिया जाएगा।

टिप्पणी — भारत सरकार अपने विवेक से प्रशिक्षण की अवधि तथा कौम में कोई परिवर्तन या मंजूर कर सकती है।

2. अप्रेंटिसशिप की चार वर्ष तक उपयोगित प्रयोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लाम अप्रेंटिस को इस अवधि के दौरान या तो काउन्सिल आफ इंजीनियरिंग इंस्टीटयूशन एग्जामिनेशन (लंदन) का भाग-1 और भाग-2 इंस्टीटयूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया) एग्जामिनेशन की एंजोमिण्ट मेम्बरशिप का सैबजन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करनी चाहिए। अप्रेंटिस को को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 1,300/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान 1,400/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रेंटिसशिप के दौरान उम्मीदवारों सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल 75 सिमेस्टर परीक्षाएं होगी जिसमें प्रत्येक का उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निपादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अपने निश्चित क्षेत्र में चले जाने को या अप्रेंटिसशिप हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी — सिवाय जमा कि नोच पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अधीनता अभयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है या कोई कारण भंग कर दिया जाता है अप्रेंटिसशिप हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपरोक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण का चौथा वर्ष पूरा होने के पहले अप्रेंटिस को भी एक सूची दी गई परीक्षा या अप्रेंटिसशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर सम्मानाश्रम में नियुक्ति जाएगी। मूल अप्रेंटिस यांत्रिकी इंजीनियरी को भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा।

टिप्पणी — किसी भी प्रशिक्षु को अर्हक स्तर पर योग्यता से बहुत तभी माना जाएगा जब उसको प्रशिक्षण को छह सिमेस्टर परीक्षाओं की

अवधि में गणित सभी परीक्षाओं में उसका कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हो जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व विरल इंजीनियरी संस्थान बमलपुर के प्राधानावाय तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिकेवलेन में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 10 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उसकी प्रशिक्षण अवकाश नहीं प्रशिक्षण में नियुक्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष गफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट 4 के नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रेंटिसशिप की यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा में परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा को मामला जनों के विवरण परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

परिशिष्ट-4

यांत्रिकी इंजीनियरी का भारतीय रेल सेवा में संवर्धन विवरण

1. परीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परीक्षकों के रूप में नियुक्त और वेतन बा आरम्भ (क) अप्रेंटिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (क) प्रशिक्षण के पूरा करने की सामयिक तारीख से जो भी जाद की हो माना जाएगा।

विस्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल क्लाम अप्रेंटिस के जो अपने अप्रेंटिसशिप के 4 वर्ष के भीतर एम आई एम ई (लंदन) के भाग 1 और 2 ई ए एम आई (इण्डिया) के भाग ए और बी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट — (1) परीक्षकों की सेवा में बताए रखने और उनको वापस वतन वृद्धियां स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में सतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए,

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परीक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनको एक या अधिक भारतीय रेलवे क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर मंजूरित भी हो सकता है। परीक्षा-आधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालय में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण को इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभिवसा और जिस रेलवे में परीक्षण की नियुक्ति होती है, यहां के मुख्य परिव्यायक यधीनक द्वारा सम्मिलित रूप में आयोजित होगी। जिसमें अर्हता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बकौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी इसमें द्वारा अंके की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब तक कुछ प्रशासिक परिस्थितियां न हो और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छुट को उपयुक्त प्रमाणित न करे। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हाल में जब तक वे परीक्षा में उत्तीर्ण न

हैं उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनकी एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन सामान्य और आनुवंशिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम करने का कोशल तथा परीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी सामान्य अनुपस्थिति। उनको इस विभागीय परीक्षा में परीक्षा के दूसरे साल के अन्तर-अन्तर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हानन में उनकी वेतन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्तर किसी जानि या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस वक्ता में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की वेतन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों के अनुसार नियंत्रित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ अपवादिक परिस्थितियां न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त मान्य पड़े।

ध्यान दे सरकार, अपने नियम क, किसी भी कार्यकारी पद की प्रशिक्षण अवधि में परीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परीक्षाधीन अधिकारियों को देशगरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के माध्यम द्वारा आयोजित हिन्दी प्रवीण या केन्द्रीय सरकार द्वारा मायता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसकी वेतन सामयिक वेतनमान में रु० 2350.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1985 के बाद परीक्षा के आधार पर यात्रिक इंजीनियरी, की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम बार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें, उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उन व्यक्ति को

(क) परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यात्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी अधिव्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे :—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों के जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं लागू है।

7. परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन वृद्धि हेतु सेवा की उसी दिन से गिनी जाएगी वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में निम्नलिखित है :—

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए उसी रेल में लगे रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परिक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानांतरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. सप्ताहिक इन्जीनियरी को भारतीय रेल में नियुक्ति अधिकारी के जो इस समय वेतन की निम्न प्रकार बरे प्राप्त हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान रु० 2200-75-2900 व० रो०-100-4000/-

वरिष्ठ वेतनमान रु० 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु० 3700-125-4700-150-5000/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1) : रु० 5100-150-5700/-

(2) रु० 5900-200-6700/-

टिप्पणी 1 : परीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतन मान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले की उक्त समयमान में उनका वेतन 2275.00 रु० प्र० मा० से 2350.00 रु० प्र० मा० तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2 : यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं 2275.00 रु० से 2350.00 तक वृद्धि रोक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बड़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को अंतिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस व्यवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे भ्रम्यता प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में अधिकतम वेतनवृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन-वृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संस्वीकृत स्थापना से रिविजियां होने पर ही होती है और पूरी तरह अपने पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रधान नहीं करती है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 5th January 1994

New Delhi, the 22nd January 1994

No. 2-Pres/94.—Corrigendum—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 58-Pres/93 dated 26th January, 1993, published in Part-I, Section 1 of the Gazette of India dated Saturday the 24th April, 1993, relating to the award of "Vishist Seva Medal" :—

For S. No. 9 Brigadier Bans Bahadur Mathur (MR-01486)

Army Medical Corps

Read S. No. 9 Brigadier Brij Bans Bahadur Mathur (MR-01484),

Army Medical Corps

G. B. PRADHAN
Director

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(DEPARTMENT OF POSTS)

New Delhi, the 28th December 1993

Subject : *Amendment to Rule 3 of POIF Rules relating to maximum/minimum of PLI Insurance Scheme.*

No.26-70/90-LI—The President hereby directs that the following amendments be made to existing Rule 3 of POIF Rules.

(1) *In line 5 & 6*

"Rs. 100/- in each class except the anticipated endowment assurance class under which the minimum sum assured shall be Rs. 5000/-".

" " will be substituted by "Rs. 20,000/- each class"

(2) *In line 7*

"an aggregate of Rs. 1,00,000/-"

will be substituted by "an aggregate of Rs. 2,00,000/-"

(3) *In line 8*

"In multiple of Rs. 100/- will be substituted by "in multiples of Rs. 10,000/-"

(4) *Exception below Rule 3*

will be substituted by

"for Extra Departmental Agents of the Department of Posts, Group 'D' employees of Central and State Govts., Public Sector Undertakings, Banks etc., other ranks of the Army, Navy, Air Force and Defence Civilians in Group 'D' cadre, lower ranks of paramilitary force of Central and State Govt. and Police Services, the minimum value of PLI policy is kept as Rs. 10,000/-"

D. K. BUDKI,
Director (PLI)

No. 93/E(GR)/1/11—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1994 for selection of candidates for appointment as 'Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India. Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1994, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1974, and not later than 1st January, 1978.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Upto a maximum of three years if a candidate is a *bona-fide* repatriate of Indian origin from any of or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991.
- (iii) Upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991.
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (v) upto a maximum of eight years in the case of *Defence Services personnel disabled in operations* during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (vi) upto a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1994, and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1994) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment;
- (vii) upto a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1994 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1994) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (viii) upto a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1994 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (ix) upto a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1994 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

NOTE I.—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

NOTE II.—Candidates falling under Rule 5 (b) (ii) to (ix) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division, the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10 plus 2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subject of the examination, or

- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply; provided the first/second year examination is conducted by a University; or

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University, approved by the Government of India; or
- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University; Provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidate who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Note I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

Note II.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the examination but have not been informed of the result may apply for admission to the examination. Candidates who intend to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed applications which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the results of the written part of the examination.

Note III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note IV.—Diplomas in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not acceptable for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including obscenity language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidate alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination

(ii) The candidates belonging to Other Backward Classes may, to the extent of reserved vacancies, be recommended by the Commission by going down the merit list subject to the fulfilment of the basic minimum standards prescribed by the Commission.

Provided that the candidates belonging to the Other Backward Classes recruited on the basis of merit as at Rule 13(i) above shall not be adjusted against the vacancies reserved for Other Backward Classes.

(iii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, recruited on the basis of merit as at Rule 13(i) above, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates, who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturday, Sunday and Closed Holidays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.

Note—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Service Personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

MASIHUZZAMAN,
Secy., Railway Board

APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below :

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows :—

Sl. No.	Subjects	Code No.	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	01	2 Hours	100
2.	General Knowledge	02	2 Hours	100
3.	Physics	03	2 Hours	100
4.	Chemistry	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II (Calculus-Differential and Integral and Mechanics Statics and Dynamics)	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE (MULTIPLE CHOICE ANSWERS) TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

8. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

9. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

SCHEDULE

English (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and

preservation of foodgrains and finished products, population, explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India

Solar system and the earth, Seasons, Climate, Weather. Soil—its formation, erosion. Forests and their uses. Natural calamities cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions, Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under ground minerals including Oil, Conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves, Sanchi, Mathura and Gandharva Schools, Temple architecture, Ajanta and Elora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence

Constitution of India and its characteristic features—Democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of Government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—aims, race balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years

Broad features of Indian social system—the caste system, hierarchy—recent changes and trends. Minority social institution—marriage, family, religion and acculturation

Division of labour, co-operation, conflict and competition, Social control—reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion, agencies of social control—family, religion, state educational institutions, factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth. Private and Public Sectors, economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problem of resource mobilisation; India's Five Year Plans

PHYSICS (Code No 03)

Length measurements using vernier screw gauge, spherometer and optical lever

Measurement of time and mass

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration

Newton's laws of motion, Momentum, impulse, work, energy and power

Coefficient of friction

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force couple. Newton's law of gravitation, Escape velocity. Acceleration due to gravity

Mass and Weight, Centre of gravity, Uniform circular motion. Centripetal force, simple Harmonic motion. Simple pendulum

Pressure in a fluid and its variation with depth, Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies, Atmospheric pressure and its measurement

Temperature and its measurement. Thermal expansion, Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases, Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics, Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat, thermal conductivity.

Wave motion, Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air column and strings)

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirror and lenses, Microscopes and telescopes. Defects of vision

Prisms, deviation and dispersion, Minimum deviation. Visible spectrum

Field due to a bar magnet, Magnetic moment, Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism

Electric charge, electric field and potential. Coulomb's law

Electric current, electric cells, e.m.f. resistance, Ammeters and voltmeters. Ohm's law, resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current

Wheatstone's bridge, Potentiometer

Magnetic effect of current, straight wire, coil and solenoid. Electromagnetic, electric bell

Force on a current carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer, conversion to ammeter or voltmeter

Chemical effects of current, Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis

Electromagnetic induction, Simple AC and DC generators. Transformers. Induction coil

Cathode rays, discovery of the electron, Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier

Production, properties and uses of X-rays

Radioactivity, Alpha, Beta and Gamma rays

Nuclear energy, fission and fusion, conversion of mass into energy, chain reaction

CHEMISTRY (Code No 04)

Physical Chemistry

Atomic structure, Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle, s, p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity. Trends in periods and groups

2. Chemical Bonding, Electro-valent covalent, Coordinate covalent bonds. Bond Properties, sigma and Pi bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding

3. Energy changes in a chemical reaction, Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics, Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity, First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application, to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depressions of freezing point, osmotic pressure, Raoult's law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes, Faraday's Laws of Electrolysis, ionic equilibria, Solubility product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronstead concept). P, H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity; Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds :

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries, Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum, Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. (Coal, Coke and solid Fuels, Silicates, Zolizolitis semi-conductors). Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine, Chlorine, Bromine and Iodine, Hydrochloric acid, Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General Methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals : Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and sigma pi bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reaction of alkanes, alkenes and alkynes, Petroleum and its refining—Its uses as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride. Chlorobenzene. D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols, Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reaction at aliphatic carbon atom.

5. Ethers; Diethyl ether :

6. Aldehydes and ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde, Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene. TNT, Aniline Diazonium Compounds, Azo dyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids, acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teflon. Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates, Fats and Lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I (Code No. 05)

Algebra

Number Systems—Natural numbers, integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm. Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutation and Combinations. Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y = a + bx + cx^2$ for given value of y at x^1 , x^2 and x^3 .

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their graphs 2×2 Matrix and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids, right circular cylinders; cones and spheres.

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine, and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angles between two lines. Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles. Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

MATHEMATICS II (Code No. 06)**Calculus (Differential and Integral)**

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference product and quotient of functions. Derivatives of composite function and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible).

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces, Compositions and resolutions of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II**REGULATION FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS**

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any proportions with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals, etc whose average height is distinctly lower.

The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown, on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of centimetres of halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimeters, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

- (i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffer from any squint of morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.
- (ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and in accordance with the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J-I	J-II

Note : (1)

- (a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed $-4.00D$.
- (b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed $+4.00D$.
- (c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

Note : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grades depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16 Feet	16 Feet
2. Size of the aperture	13 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

4—421GI/93

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened rooms after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) *Squint*.—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed persons*.—One eyed person will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of the candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

The rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic system over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea a clearance test should be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from cloths to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following terms of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading.

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to be standard of medical fitness requires they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A women candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporary unfit till the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case hearing is defective the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—
- (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices
- (ii) Perceptive deafness both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

- (iii) Perforation of tympanic membranes of central or marginal type. Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualifications.
- (iv) Burs with mastoid cavity Sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (v) Persistently discharging ear operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical Jobs.
- (vi) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
(ii) If debrated nasal septum is present with symptoms temporarily unfit.
- (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils, and/or larynx—Fit.
(ii) Hoarseness or voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
(ii) Malignant tumour—Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (ix) Otosclerosis. If the hearing is within 3 decibels after operation with the help of hearing aid—Fit.
- (x) Congenital defects of ear, nose or throat. (i) If not Interfering with functions—Fit.
(ii) Stuttering of Severe degree—Unfit.
- (xi) Nasal Poly. Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well-formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he/she is not ruptured;

(g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;

(h) that his/her limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;

(i) that he/she does not suffer from Inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect.

(k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note (a) Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Note (b)—No appeal would be preferred after Appellate Medical Board and the decision of the Appellate Medical Board would be final.

Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, of any of the candidate concerned.
2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government or the appointing authority as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.
3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.
4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.
5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.
6. In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.
7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appoint-

ing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).

.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place.

.....
.....
.....

3. Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

.....

4. (a) have you ever had small pox. Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

.....
.....
.....

5. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, serofula, gout, asthma, fits, epilepsy or insanity?

.....

6. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?

.....

7. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

8. Have you been examined by a Medical Board before ?
.....

9. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for ?
.....

10. Who was the examining authority ?
.....

11. When and where was the Medical Board held ?
.....

12. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.
.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board

Signed in my presence.

NOTE : The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(B) *Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical Examination.*

1. General Development :

Fair

Good.

Poor

Nutrition Thin.....average.....

..... obese

Height (without shoes)

Weight best weight.....

When

in weight ?

Temperature

.

.

.

.

Girth of Chest :—

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glasses	
		Sph. Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection.....Hearing.....

Right Ear Left Ear

5. Glands Thyroid.....

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.

.....

.....

If yes, explain fully

8. Circulatory Systems :

(a) Heart : any organic lesion

Rate : Standing.....

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

Blood pressure :

Diastolic : Systolic

9. Abdomen Girth Tenderness

. Hernia

(a) Palpable : Lever.....

Spleen Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any abnormality.....

12. Genite Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Reports of X-ray examination of Chest.

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 week standing or over she should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date

Place

President

Member

APPENDIX III

Conditions of Apprenticeship for Special Class Apprentices Selected through the Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Establishment Manual, brief particulars of which in prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be work-

ing. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examinations. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 1300 per month during the 1st and 2nd years and Rs. 1400 per month during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE :—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE :—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examination of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examination he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railways Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training which ever is later :

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/ Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE :—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd year of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each Officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation, the

drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagri script of an approved standard. The examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 2350.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers :—

(a) will be eligible to pensionary benefits, and

(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that Fund.

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right.

to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10 The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers

Junior scale Rs 2200-75 2800-EB-100 4000/-

Senior scale Rs 3000-100 3500-125-4500/-

Junior Administrative Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000/-

Senior Administrative Grade (i) Rs 5100-150-5700/-
(ii) 5900-200-6700/-

NOTE 1 — Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that

may be prescribed before their pay can be raised from Rs 2275 00 p.m. to Rs 2350 00 p.m. in the time scale

NOTE 2 — Increment from Rs 2275 00 to Rs 2350 00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected

11 The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion

